Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-VI Examination

PRINCIPLES AND PRACTICE OF INSURANCE (INSURANCE AND ACTUARIAL SCIENCE)

Optional Paper—8-2

Vocational Group—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. (a) Why privatisation of Insurance Business in India was accepted ? State its success. 8

(b) Explain the methods of payment of premium. 8

OR

(c) Was liberalisation required for privatisation of insurance ? State its effects. 8

(d) Why premium is considered as consideration for insurance benefit ? Explain. 8

2. (a) Discuss the background for establishment of General Insurance Corporation of India (GIC). 8

(b) State meaning, nature and scope of Bank assurance. 8

OR

(c) Highlight the main provisions of General Insurance Act, 1972. 8

(d) Describe Innovations and Technology used by Insurance Industry. 8

3. (a) Explain procedure for alteration of Insurance Policy Contract. 8

(b) State the nature of policy value and related equations. 8

OR

(c) Discuss the types of services maintained in Insurance. 8

(d) Elucidate the procedure and importance of valuation of liability of insurance company. 8

4. (a) State nature and use of probability theory in insurance business. 8

(b) What do you mean by surrender of policy ? How its value is calculated ? 8

OR

(c) Differentiate between surrender of Policy and Lapse of Policy. 8

(d) Explain process for revival of Lapsed Policy. 8

5. Answer in brief :

(a) What is the effect of Globalisation on Indian Insurance ? 4

(b) Which are the functions of Subsidiary Insurance Companies ? 4

(c) Point out special reserves of Insurance Companies. 4

(d) Which types of probabilities are used in insurance ? 4

Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-VI Examination

PRINCIPLES AND PRACTICE OF INSURANCE (INSURANCE AND ACTUARIAL SCIENCE)

Optional Paper—8-2

Vocational Group—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(मराठी माध्यम)

1. (अ) भारतात विमा व्यवसायाचे खाजगीकरण कां स्वीकारले गेले ? त्याची यशस्वीता विशद करा. 8

(ब) प्रव्याजी शोधनाच्या पद्धती स्पष्ट करा. 8

किंवा

(क) विम्याचे खाजगीकरण करण्यासाठी उदारीकरण आवश्यक होते काय ? त्याचे प्रभाव विशद करा. 8

(ड) विम्याचे लाभासाठीचे प्रतिफल म्हणून प्रव्याजीला कां गृहीत घेतले जाते ? स्पष्ट करा. 8

2. (अ) सामान्य विमा महामंडळाच्या स्थापनेच्या पार्श्वभूमीची चर्चा करा. 8

(ब) अधिकोष आश्वासनाचा अर्थ, स्वरूप आणि व्याप्ती विशद करा. 8

किंवा

(क) सामान्य विमा अधिनियम, 1972 च्या प्रावधांनावर प्रकाश द्या. 8

(ड) विमा उद्योगां द्वारा उपयोगात आणल्या जाणाऱ्या नवप्रवर्तनांना आणि प्रौद्योगिकींना वर्णन करा. 8

3. (अ) विमा पॉलीसीच्या अनुबंधात परिवर्तन करण्याची प्रक्रिया स्पष्ट करा. 8

(ब) पॉलीसी मूल्य आणि संबंधित समीकरणे यांचे स्वरूप स्पष्ट करा. 8

किंवा

(क) विम्यात निगा राखल्या जाणाऱ्या सेवांच्या प्रकारांची चर्चा करा. 8

(ड) विमा कंपनीच्या दायित्वाचे मापन आणि महत्व विस्ताराने लिहा. 8

4. (अ) विमा व्यवसायात संभाव्यता सिद्धांताचे स्वरूप आणि उपयोग विशद करा. 8

(ब) विमा पॉलीसी सोडण्या पासून (Surrender) आपणास काय अर्थबोध होतो ? तिचे मूल्य कसे मापन केले जाते ? 8

किंवा

(क) 'पॉलीसी सोडून देणे' आणि 'पॉलीसी काल बाह्य होणे' (Surrender and Lapse) यात फरक करा. 8

(ड) काल बाह्य झालेल्या पॉलीसीचे पुनरुज्जीवन करण्याची प्रक्रिया स्पष्ट करा. 8

5. संक्षिप्त उत्तरे लिहा :

(अ) भारतीय विम्यावर जागतिकीकरणाचा काय परिणाम आहे ? 4

(ब) दुय्यम (Subsidiary) विमा कंपन्यांची कार्ये कोणती आहेत ? 4

(क) विमा कंपन्यांच्या विशेष कोषांना नमूद करा. 4

(ड) विम्यात वापरल्या जाणाऱ्या संभाव्यतांचे प्रकार विशद कोणते ? 4

Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-VI Examination

PRINCIPLES AND PRACTICE OF INSURANCE (INSURANCE AND ACTUARIAL SCIENCE)

Optional Paper—8-2

Vocational Group—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(हिन्दी माध्यम)

1. (अ) भारत में बीमा व्यवसाय का निजीकरण क्यों स्वीकृत किया गया है ? 8

(ब) प्रव्याजी भुगतान की पद्धतियां स्पष्ट कीजिये। 8

अथवा

(क) बीमा के निजीकरण के लिये क्या उदारीकरण की आवश्यकता थी ? इसके प्रभाव विशद कीजिये। 8

(ड) बीमा के लाभों की प्राप्ति के प्रतिफल के रूप में प्रव्याजी को क्यों गृहित माना जाता है ? स्पष्ट कीजिये। 8

2. (अ) सामान्य बीमा मंडल की स्थापना की पार्श्वभूमि की चर्चा कीजिये। 8

(ब) बैंक आश्वासन का अर्थ, स्वरूप एवं व्याप्ति बताइये। 8

अथवा

(क) सामान्य बीमा अधिनियम, 1972 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश दीजिये। 8

(ड) बीमा उद्योग द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले नवप्रवर्तनों को एवं प्रौद्योगिकियों का वर्णन कीजिये। 8

3. (अ) बीमा पॉलिसी के अनुबंध में परिवर्तन करने की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिये। 8

(ब) पॉलिसी मूल्य एवं संबंधी समीकरणों का स्वरूप स्पष्ट कीजिये। 8

अथवा

(क) बीमा में देखभाल की जानेवाली सेवाओं के प्रकार की चर्चा कीजिये। 8

(ड) बीमा कंपनी के दायित्व मुल्यमापन एवं महत्व विस्तार रूप से लिखिये। 8

4. (अ) बीमा व्यवसाय में संभाव्यता सिद्धांत के स्वरूप एवं उपयोग विशद कीजिये। 8

(ब) बीमा पॉलिसी वापसी (Surrender) इससे क्या अर्थबोध होता है तथा उसका मुल्यांकन कैसे किया जाता है ? 8

अथवा

(क) 'पॉलिसी ठाडे देना' एवं 'पॉलिसी काल बाह्य होना' (Surrender and Lapse) इसमें भेद कीजिये। 8

(ड) काल बाह्य हुई पॉलिसी का पुनरुज्जीवन करने की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिये। 8

5. संक्षेप में उत्तर लिखिये :

(अ) भारतीय बीमा पर वैश्विकीकरण का क्या परिणाम है ? 4

(ब) दुय्यम (Subsidiary) बीमा कंपनी के कार्य कौन-से हैं ? 4

(क) बीमा कंपनी के विशेष कोष को नमूद कीजिये। 4

(ड) बीमा अंतर्गत उपयोग में लाये जाने वाले संभाव्यता प्रकार बताइये। 4